|| विश्वस्तरीय ऑनलाइन ज्योतिष पोर्टल ||

Horoscope Website : https://JyotishShastra.com
AstroShopper (Astro Products Online Super Store) **:** https://AstroShopper.in
Email : care@jyotishshastra.com
WhatsApp Direct Link : https://wa.me/919520039039

हॉरोस्कोप फॉर्म विवरण :-

NAME :	Nitesh Soni	GENDER :	Male
DATE OF BIRTH :	06/06/2001	TIME OF BIRTH :	03:47 AM
CITY :	Alwar	STATE :	Rajasthan
COUNTRY :	India	LANGUAGE :	Hindi
PROCEDURE :	Lal Kitab	SERVICE NAME :	Detailed Red Book Horoscope Report
QUESTION(S) :	Hello sir, I want full LalKitab horoscope report.		
Address : Alwar, Rajasthan, India			
Mobile No. : 8740815084		Email ID : nitsonintern@gmail.com	
ORDER ID : #1105	PAYMENT ID : 386564343	AMOUNT : ₹990	
Order Date : 12/12/2020	Delivery Date : 17/12/2020	GSTIN : ####	

लग्न, राशि एवं ईष्ट :-

लग्न :	मेष
चंद्र राशि :	वृश्चिक
ईष्ट देव :	सूर्य देव

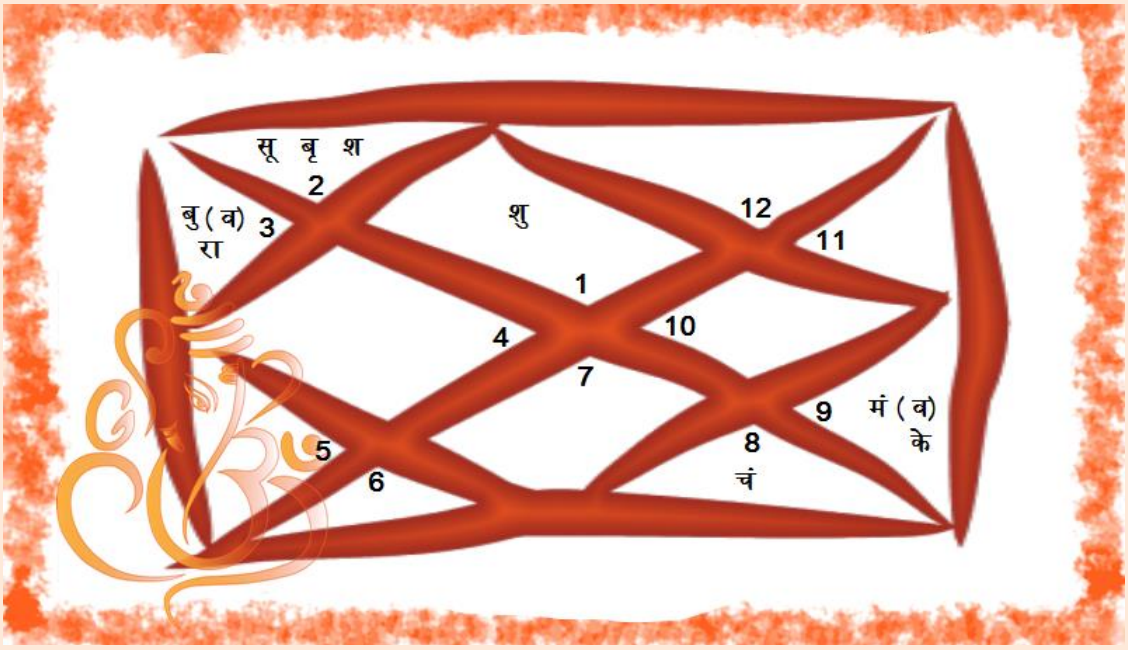

ॐ श्री गणेशाय नमः

कुंडली फलादेश :

श्रीमान नितेश सोनी जी आपकी जन्म कुंडली अनुसार :-

जीवन परिचय :-

आप चुस्त, चतुर एवं चंचल स्वाभाव के होंगे। आप स्पष्टवादी होंगे। आपके भीतर अहम् होगा व 'मैं' की प्रधानता होगी। आप किसी अन्य की अपेक्षा अपने बारे में सर्वाधिक सोचेंगे तथा दूसरों के लिए अपनी सुख सुविधाओं का त्याग कभी नहीं करेंगे। आप लगभग प्रत्येक मामले में असमझौतावादी होंगे। आप साहसी होंगे व जोखिम उठाने से भी नहीं घबराएंगे। आप बातचीत में कुछ आक्रामक तथा उत्साह से भरे हुए होंगे। आप उद्यमशील एवं महत्वकांशी होंगे। आपके स्वभाव में तेजी, फुर्ती एवं जल्दीबाजी होगी तथा धैर्य का अभाव होगा। आप हर बात में फैसले के तौर पर अपनी राय देने में झट तैयार हो जायेंगे। दूसरों की सलाह आपको पसंद नहीं होगी अपना मार्ग स्वमं के निर्णय से चुनेंगे। तर्क एवं वाद विवाद में रुचिकर होंगे। आप में योजनाएं बनाने एवं संगठनो के संचालन की योग्यता होगी। किसी से प्रेम करेंगे तो दीवानगी की हद तक, घृणा करेंगे तो पागलपन ही हद तक। आप सफल आलोचक एवं दूसरों की त्रुटियाँ निकाल में सिद्धहस्त होंगे किन्तु अपनी आलोचना असहनीय होती है। एक बार संकल्प मन में ठान लेने के पश्चात उसे पूरा किये बिना चैन से नहीं बैठते। आपके भीतर आत्मविश्वास भरपूर मात्रा में भरा है।

आपका सबसे बड़ा गुण आपका साहस है एवं सबसे बड़ी कमी जल्दीबाजी है।

स्वास्थ्य :-

आपको 34 से 38 वर्ष की आयु अवस्था में अपने स्वास्थ्य का अधिक ध्यान रखना होगा। मानसिक तनाव व दबाव से आप डिस्टर्ब हो सकते हैं। न्यूरो, उच्च रक्तचाप, अधिक पित्त सम्बंधित समस्याएं आपको होने की संभावना है। युवावस्था में अधिक हस्तमैथुन करने पर लिंग में दोष भी उत्पन्न हो सकता है अतः अति से बचें। 34 से 38 वर्ष की आयु में एक्सीडेंट आदि के कारण सर एवं टांगों में चोट लगने की सम्भावना है अतः वाहन सावधानी से चलाएं तथा हर प्रकार से अपनी सुरक्षा का पूरा-पूरा ध्यान रखें व सचेत रहें।

शिक्षा एवं करियर :-

आपकी शिक्षा अच्छी रहेगी। आप उच्च शिक्षा प्राप्त करेंगे। आपके लिए व्यापार की अपेक्षा नौकरी करना अधिक उत्तम रहेगा। सही ढंग से प्रयास करने पर आपकी सरकारी नौकरी भी लगने की संभावना बनती है। आप डिफेन्स अथवा पुलिस के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं साथ ही वकील, जज रिसर्च एंड डेवलपमेंट के क्षेत्र में भी अपना करियर बना सकते हैं। आप इनकम टैक्स डिपार्टमेंट में भी अपना करियर खोज सकते हैं। आप जहां भी रहेंगे उच्च पद पर रहेंगे। आप रूचि लेने पर राजनीति में भी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप एक यशस्वी, प्रधान, चतुर वक्त, धनवान, प्रतिष्ठित, वैभवशाली व्यक्ति होंगे।

आपको करियर के साथ साथ जीवन के विभिन्न आयामों में सफलता के लिए अपने अनावश्यक क्रोध पर नियंत्रण, गलत संगत का त्याग, गलत आदतों का त्याग, दूसरों की लड़ाई में टांग अड़ाने से बचना होगा, दूसरों के चढाने बरगलाने में न आने का अभ्यास करना होगा अन्यथा विघ्न बाधाएं आपको अपने चरम स्तर तक पहुँचने नहीं देंगी। चिपकने वाले लोगों से बचें। अपनी चंचलता को नियंत्रण में रखें। गलत कामों को कतई न करें। किसी के उकसावे में आकर बिना डरे न कूद पड़ें व तांडव मचाने से बचें तो बहुत उप्पर तक जाएंगे। इन पर नियंत्रण करने पर बहुत ऊँचे जायेंगे।

आपको आपके कर्मों के अनुसार फल प्राप्त होंगे।

धन संपत्ति :-

पैतृक धन संपत्ति आपको प्राप्त होगी। आपका इन्वेस्टमेंट कहीं फसें इसकी संभावना है अतः इन्वेस्टमेंट सोच समझकर, गहराई से चतुराई से पूरा ज्ञान अर्जित करने के पश्चात ही करें, किसी के कहने भर, उकसाने से कहीं भी इन्वेस्ट न करें चाहे वह इन्वेस्टमेंट प्रॉपर्टी में ही क्यों न किया जा रहा हो। जीवन में जब धन प्रचुर मात्रा में एकत्र हो जाए , जब आपके भीतर रिस्क उठाने के क्षमता हो जाए जब आपका इन्वेस्टमेंट फंसे की स्थिति में आप पर फिनेंशल रूप से कोई असर न पड़े तब ही इन्वेस्टमेंट करें। यदि जल्दीबाजी में बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट किया तो आपके पास धन की कमी भी हो सकती है।

वैवाहिक जीवन :-

अधिक समस्याएँ नहीं झेलनी पड़ेंगी किन्तु जीवन साथी से आपसे मतभेद रहेंगे जिसका कारण आप स्वमं होंगे। आपकी उग्रता, अपनी बात उप्पर रखने की प्रवृत्ति, अनावश्यक प्रत्येक कार्य में टोका-टाकी व मन को चुभने-भेदने वाली तीव्र टिप्पणी इसका कारण होंगी।

आपका जीवन साथी उसी क्षेत्र से सम्बंधित होगा जिसमें आप होंगे, इसकी अधिक संभावना है। जीवनसाथी से अलगाव की कोई स्थिति नहीं बनती। आपका वैवाहिक जीवन का सुख आपकी समझदारी पर टिका है। अपनी चंचलता व उग्रता को कण्ट्रोल कर आप इस समस्या का समाधान पा सकते हैं। आपकी पत्नी न तो गलत बोलेंगी न ही गलत सुनेंगी।

संतान :-

आपको प्रयास एवं इच्छा करने पर दो पुत्र प्राप्त होंगे। संतान स्वस्थ रहेगी। संतान आपका अनुसरण करेगी किन्तु संतान के उज्जवल एवं साकारात्मक भविष्य हेतु आपको स्वमं के उप्पर संयम रखना होगा स्वमं पर नियंत्रण रखना होगा। गलत सोच, गलत संगत से दूरी बना कर रखनी होगी साथ ही गलत कर्मों से दूर रहना होगा।

वृद्ध अवस्था :-

वृद्ध अवस्था अच्छी रहेगी। धन संपत्ति प्रचुर मात्रा में उपलब्ध रहेंगी। धन स्वास्थ्य पर खर्च होगा। 57 वर्ष की अवस्था के पश्चात में ह्रदय, न्यूरो, मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से दो चार होना पड़ेगा। जवानी की चोट इस अवस्था में आकर फिर परेशान करेंगी। कोई भी समस्या के लक्षण दिखाई दें तो उसे अवॉयड न करें तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक को दिखाएं व उचित इलाज कराएं। अपना पूरा घ्यान रखें। आप ध्यान / मैडिटेशन में अपना मन लगाएं यदि युवावस्था से ध्यान में अपना मन लगाएंगे तो जीवन में संतोष व शान्ति प्राप्त करेंगे। धार्मिक प्रवृत्ति व धर्म के कार्य भी आपको करने उत्तम फलदायी सिद्ध रहेंगे।

विशेष उपाय :-

♦ 2039 तक शुक्र गृह के बीज मंत्र "ॐ द्रां द्रीं द्रौं स: शुक्राय नम:" का एक रुद्राक्ष माला (108) जाप करें।

♦ सूर्य देव के मंत्र "ॐ घ्रणि सूर्याय नमः" का एक रुद्राक्ष माला (108) जाप जीवन पर्यन्त करें।

♦ शिक्षा एवं करियर में उच्च आयाम प्राप्ति हेतु प्रातः सूर्योदय से पूर्व स्नान आदि से निवृत होकर सूर्य उदय होने से पूर्व, पूर्वमुखी होकर लाल रंग के आसान पर घर की छत्त अथवा खुले स्थान पर बैठ कर सूर्य आदित्य स्तोत्र का पाठ आरम्भ इस प्रकार करें कि सूर्योदय से पूर्व प्रारम्भ होकर सूर्योदय के पश्चात समाप्त हो | तत्पश्चात लोटे (ताम्बे) के जल में शक्कर डालकर सूर्य को अर्घ दें | 108 रविवार करें |

♦ बुधवार के दिन गाय को चारा आजीवन खिलाएं।

♦ आजीवन प्रतिदिन एक से दो मुट्ठी बाजरा रात को सोते समय अपने तकिये के नीचे रख कर सोएं व प्रथा काल उठते ही सबसे पहले चिड़ियों को डालें।

♦ सौंफ व मिश्री का सेवन करें। किसी आवश्यक कार्य से बाहर जाने, इंटरव्यू देने जाने, किसी से वार्तालाप करने से जाने से पूर्व अवश्य ही सेवन करे निकलें। बीच बीच में भी करते रहें।

♦ हनुमान जी को प्रसन्न करें। हनुमान चालीसा का पाठ प्रतिदिन करें। कभी-कभी अथवा माह में एक-दो बार मंगलवार को मंदिर में जाकर चोला चढ़ाएं।

♦ परस्त्रीगमन व मांस, मदिरा से आजीवन दूर रहें।

रुद्राक्ष :-

5 मुखी नेपाली रुद्राक्ष (प्राणप्रतिष्ठित, सिद्ध व अभिमंत्रित) धारण करें।

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) *के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजिनल नेपाली रुद्राक्ष प्राप्त कर सकते हैं।*

रत्न धारण परामर्श :

आपको निम्न रत्न धारण करने का परामर्श दिया जाता है | परामर्शित रत्नो को धारण करना आपको नौकरी, स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति, धन, सुख, समृद्धि प्राप्ति में सहायक सिद्ध रहेगा।

इनके धारण करने से आपको समयानुसार इनके प्रभाव प्राप्त होते रहेंगे | रत्न उच्च कोटि के व दोषमुक्त ही धारण करें अन्यथा इनसे आपको लाभ की अपेक्षा दुष्परिणाम भी प्राप्त हो सकते हैं|

माणिक्य रत्न धारण करने की विधि :-

सूर्य देव के रत्न माणिक्य अथवा रुबी को धारण करने के लिए सर्वप्रथम प्रश्न उपजता है कि कितने भार अथवा रत्ती का माणिक्य रत्न धारण किया जाना उपयुक्त रहेगा ? इसके लिए सर्वप्रथम अपना वजन ज्ञात कर लें | अपने वजन के दसवें भाग के भार बराबर रत्ती का शुद्ध एवं ओरिजिनल माणिक्य स्वर्ण या ताम्बे की अंगूठी में जड़वाएं | किसी भी शुक्लपक्ष के प्रथम रविवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात् अपने दाये हाथ की अनामिका में धारण करें | धारण करने से पूर्व माणिक्य युक्त अंगूठी के शुद्धिकरण एवं प्राण प्रतिष्ठा करने हेतु सबसे पहले अंगूठी को पंचामृत अर्थात दूध, गंगाजल, शहद, घी और शक्कर के घोल में लगभग तीस मिनट तक डाल दें | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती सूर्य देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे सूर्य देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न धारण कर रहा/ रही हूँ | मुझे आशीर्वाद प्रदान करे | तत्पश्चात अंगूठी को पंचामृत से निकालकर "ॐ ह्रां ह्रीं हौं स: सूर्याय नम:" मन्त्र का जाप 108 बार करते हुए

अंगूठी को अगरबती के ऊपर से 108 बार घुमाये और अंगूठी को विष्णुजी के चरणों से स्पर्श करवा कर अनामिका में धारण करे |

पुखराज रत्न धारण करने की विधि :-

पुखराज अथवा येलो सफायर को स्वर्ण की अंगूठी में जड़वाकर किसी भी शुक्ल पक्ष के बृहस्पतिवार के दिन सूर्य उदय होने के पश्चात् इसकी प्राण प्रतिष्ठा करवाकर अथवा करके धारण करें | इसके लिए सबसे पहले अंगुठी को दूध, गंगा जल, शहद, घी एवं शक्कर के घोल में डाल दे | आगे की समस्त प्रक्रिया आपको प्रातः सूर्योदय होने के पश्चात 50 मिनट के भीतर संपन्न करनी है :- पांच अगरबत्ती बृहस्पति देव के नाम जलाए और प्रार्थना करे कि हे बृहस्पति देव मै आपका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपका प्रतिनिधि रत्न पुखराज धारण कर रहा/ रही हूँ कृपया करके मुझे अपना आशीर्वाद प्रदान करें | तत्पश्चात अंगूठी को निकाल कर "ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं स: गुरवे नम:" का 108 बार जप करते हुए अंगूठी को अगरबत्ती के उपर से 108 बार ही घुमाए तत्पश्चात अंगूठी विष्णु जी के चरणों से स्पर्श कराकर तर्जनी अंगुली (अंगूठे से पहली) में धारण करे |

बृहस्पति के अच्छे प्रभावों को प्राप्त करने के लिए उच्च कोटि का पुखराज ही धारण करे, अच्छे प्रभाव के लिए पुखराज का रंग हल्का पीला और दाग रहित होना चाहिए , पुखराज में कोई दोष नहीं होना चाहिए अन्यथा शुभ प्रभावों में कमी आ सकती है | प्रभाहीन, धारीदार, दूधिया रंग वाला, जालदार, काली छींटों से युक्त अथवा सफेद बिन्दुओं से युक्त पुखराज रत्न का धारण अथवा प्रयोग सर्वथा निषेध होता है। लाल छींटे, गड्ढे, खरोंच और एक साथ दो रंगों से युक्त पुखराज रत्न भी अनिष्ट का कारक होता है।

पुखराज धारण करने के लिए सर्वप्रथम अपना वजन करें व उसको 10 से भाग कर दें जो अंक आये उतने रत्ती का पुखराज धारण करें | माना की आपका वजन 70 किलो है इसे 10 से भाग करने पर 7 अंक आता है अर्थात आपको सवा सात रत्ती का पुखराज धारण करना है |

आप ज्योतिषशास्त्र के ऑनलाइन वेब पोर्टल (www.AstroShopper.in) *के माध्यम से विशिष्ट वैदिक विधि से प्राणप्रतिष्ठित एवं विशेष मन्त्रों - पूजा से अभिमंत्रित ओरिजिनल माणिक्य व पुखराज रत्न प्राप्त कर सकते हैं।*

नोट :- ज्योतिषशास्त्र द्वारा संचालित ईकॉमर्स पोर्टल : https://AstroShopper.in के माध्यम से आप विशेषज्ञों द्वारा विशेष विधि से सिद्ध एवं प्राण प्रतिष्ठित किये हुए नेचुरल एवं ऑरिजनल रत्न, नेपाली रुद्राक्ष बीज, रुद्राक्ष माला, ज्योतिष एवं वास्तु सम्बंधित यन्त्र, परद प्रोडक्ट्स, स्फटिक प्रोडक्ट्स, फेंगशुई प्रोडक्ट्स ऑनलाइन मंगवा सकते हैं |

नोट :- ज्योतिषशास्त्र, ज्योतिष में भाग्य से अधिक कर्म को प्रधान मानता हैं एवं हमारे द्वारा प्रदत्त कुंडली विश्लेषण पूर्णतया वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित हैं | जो कुंडली में लिखा हैं वह भाग्य हैं, जो बीत गया उसे ठीक तो नहीं किया जा सकता किन्तु अच्छे कर्मो के माध्यम से हम अपने आने वाले समय को सुखमय व सरल अवश्य ही बना सकते हैं | ज्योतिष अन्धकार से भरे मार्ग पर एक पथ प्रदर्शक के रूप में कार्य करता हैं |

यह भी सत्य है कि ज्योतिष किसी जातक को उसकी सीमा से परे तो नहीं ले जा सकता परन्तु हाँ उस जातक की सीमा के भीतर आ रहे अवरोधों व बाधाओं को दूर करने का मार्ग अवश्य प्रशस्त करता है |

नोट :- उपायों के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की जानकारी प्राप्त करने अथवा असुविधा होने पर ईमेल आईडी care@jyotishshastra.com पर हमें ईमेल करें अथवा 9520039039 पर व्हाट्सऐप करें |

नोट :- साकारात्मक भावना व श्रद्धा से उक्त दिए गए उपायों को करें | उपाय बोझिल मन से कतई न करें |

भगवान श्री गणेश आप एवं आपके परिवार के सदस्यों को सुख, शान्ति, स्वास्थ्य एवं समृद्धि प्रदान करे |

गुरुदेव संदीप पुलस्त्य

ज्योतिष एवं वास्तु आचार्य

— — — — — — — — — — — —

डिस्क्लेमर :- कुंडली विवेचना एवं प्रदत्त परामर्श पूर्णतया आपके द्वारा उपलब्ध कराये गए नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान पर आधारित हैं | उपलब्ध नाम, लिंग, दिवस, समय एवं स्थान भिन्न होने पर प्रस्तुत विवेचना एवं परामर्श परिवर्तित हो जायेगा जो आपके जीवन घटनाचक्र से भिन्न होगा |